सभी मनुष्यों को गौरव और अधिकारों के मामले में  
जन्मजात स्वतत्बता और समानता प्राप्त है। उन्हें  
वुद्धि और अन्तरात्मा की देन प्राप्त है और परस्पर  
उन्हें भाईचारे के भाव से वर्ताव करना चाहिए